साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 131 | जौनपुर, सोमवार, 30 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पटना के गांधी मैदान में प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच पहुंचे प्रशांत किशोर

पटना,(एजेंसी)। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर रविवार को बीपीएससी अभ्यर्थियों के लिए गांधी मैदान में बुलाए गए छात्र संसद में पहुंचे। हालांकि इस छात्र संसद के लिए जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी। प्रशांत किशोर गांधी मैदान में प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच पहुंचे और उन्होंने छात्रों से ष्बंटकर नहीं बल्कि एक साथ आनेष का आह्वान किया है। दरअसल, रविवार सुबह बड़ी संख्या में बीपीएससी परीक्षा के अभ्यर्थी पटना के गांधी मैदान पहुंच गए हैं। अभ्यर्थी जिला प्रशासन की मनाही के बाद भी छात्र संसद के लिए यहां पहुंचे हैं। वे गांधी प्रतिमा के नीचे बैठकर जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। गांधी मैदान पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। दूसरी ओर प्रशांत किशोर भी गांधी मैदान पहुंच गए हैं। इस दौरान आवास से निकलने के पहले प्रशांत किशोर ने कहा, ष्हम लोग प्रदर्शन के लिए नहीं जा रहे, वहां बैठे छात्रों से मिलने जा रहे हैं। इसमें किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। गांधी मैदान में प्रतिदिन हजार, दो हजार लोग जाते हैं। यह कोई कार्यक्रम तो नहीं है, जिसके लिए सरकार की अनुमति लेनी पड़े। हमने सरकार को कल (शनिवार को) जानकारी दे दी थी। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर शनिवार को गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल पर भी पहुंचे थे और रविवार को गांधी मैदान में छात्र संसद की घोषणा की थी। जिला प्रशासन ने हालांकि विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए छात्र संसद की अनुमति नहीं दी थी। उल्लेखनीय है कि बीपीएससी 70वीं परीक्षा का पीटी रद्द करने की मांग को लेकर सैकड़ों अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग ध ारना स्थल पर पिछले 12 दिन से धरना दे रहे हैं।

असम में करीब छह करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, पांच लोग गिरफ्तार : मुख्यमंत्री

असम,(एजेंसी)। असम में पुलिस ने दो अलग–अलग अभियानों में करीब छह करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए और पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि गुवाहाटी शहर में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के कर्मियों ने शुक्रवार रात पलटन बाजार में एक होटल में छापेमारी कर 416 ग्राम हेरोइन जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 2.75 करोड़ रुपये है। शर्मा ने कहा कि होटल से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि शुक्रवार रात को नगांव जिले में एक अन्य अभियान के दौरान 3.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नगांव पुलिस ने एक वाहन को रोका और गहन तलाशी के बाद 532. 46 ग्राम हेरोइन बरामद की। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत 3. 5 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए असम पुलिस की सराहना की।

आचार्य किशोर कुणाल का निधन अत्यंत दुःखद, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अयोध्या/लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए रविवार को कहा कि उनका निध ान अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है।'' योगी ने इसी पोस्ट में कहा, ''उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शांति।'' बिहार राज्य ध ार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के पूर्व प्रमुख और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को पटना में हृदयाघात से निध न हो गया। वर्ष 1972 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुणाल पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव थे। यह ट्रस्ट राज्य में कई अस्पताल भी चलाता है। आचार्य किशोर कुणाल अयोध्या के अमावा मंदिर ट्रस्ट के सचिव भी थे। महावीर मंदिर पटना ट्रस्ट ने राम मंदिर निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वह लगातार अयोध्या के अमावा मंदिर में राम भक्तों के लिए मुफ्त सामुदायिक भोजन का आयोजन कर रहे थे।

पीएम मोदी ने मन की बात में 'सब्जी क्रांति' के लिए कालाहांडी के किसानों की सराहना की

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के कालाहांडी जिले के गोलामुंडा ब्लॉक के किसानों की क्षेत्र में 'सब्जी क्रांति' के लिए सराहना की। मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में किसान उत्पादक संघ (एफपीओ) की स्थापना करने और आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कालाहांडी जिले में 'सब्जी क्रांति' लाने के लिए किसानों की सराहना की। कालाहांडी को कभी गरीबी और लोगों के पलायन की भयावह स्थिति के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा, "जहां, कभी किसान, पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज, कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक सब्जी केंद्र बन गया है। यह परिवर्तन कैसे आया?" मोदी ने कहा, "इसकी शुरुआत सिर्फ 10 किसानों के एक छोटे से समूह से हुई। इस समूह ने मिलकर एक 'किसान उत्पाद संघ' की स्थापना की, खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया, और आज उनका ये संघ करोड़ों का कारोबार कर रहा है। आज 200 से अधिक किसान इस संघ से जुड़े हैं, जिनमें 45 महिला किसान भी हैं।" उन्होंने कहा, "ये लोग मिलकर 200 एकड़ में टमाटर की खेती कर रहे हैं, 150 एकड़ में करेले का उत्पादन कर रहे हैं। अब इस संघ का सालाना कारोबार भी बढ़कर डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो गया है। आज कालाहांडी की सब्जियां, न केवल ओडिशा के विभिन्न जिलों में बल्कि, दूसरे राज्यों में भी पहुंच रही हैं, और वहां का किसान, अब, आलू और प्याज की खेती की नई तकनीकें सीख रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''कालाहांडी की यह सफलता हमें सिखाती है कि संकल्प शक्ति और सामूहिक प्रयास से क्या नहीं किया जा सकता। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि अपने क्षेत्र में किसान उत्पाद संघ को प्रोत्साहित करें, किसान उत्पादक संगठनों से जुड़ें और उन्हें मजबूत बनाएं।'' ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "ओडिशा के कालाहांडी जिले में गोलामुंडा आज 'सब्जी केंद्र' बन गया है। किसान अब किसान उत्पादन संघों के माध्यम से हाथ मिला रहे हैं और आधुनिक खेती के तरीकों का उपयोग कर रहे हैं।

किशोर वंदे मातरम का दावा राजा चन्द्र विजय ने उन्हें बनाया अपना प्रतिनिधि

संभल,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल स्थित चंदौसी में मिली बावड़ी पर अपने वंशजों का दावा करने वाले राजा चंद्र विजय सिंह ने किशोर वंदे मातरम को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। किशोर वंदे मातरम ने ऐसा दावा किया है। किशोर वंदे मातरम ने कहा कि राजा चंद्र विजय और रानी बीना कुमारी की यह मिल्कियत है जो राजा प्रीतम कुमार के वंशज हैं। उन्हीं की वंशावली की यह बावड़ी है। उन्होंने कहा, ष्राजा चन्द्र विजय ने हमें अपना प्रतिनिधि ा नियुक्त किया है। डीएम संभल को हम लेटर देने जा रहे हैं। उनकी संपत्ति पर जो कब्जा है उसे हटवाने का प्रयास करेंगे। हमें बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उनकी जमीनों के बारे में प्रशासन को अवगत कराकर भूमाफियाओं से मुक्त कराने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि बावड़ी हमारी पुरातन सभ्यता की निशानी है। इस पर जो भी अतिक्रमण है, उसे हटवाया जाएगा। यह बावड़ी कहां तक जाती है, यह प्रशासन के विवेक और जांच का विषय है। किशोर ने कहा कि उन लोगों को चिह्नित किया जाना चाहिए जिन्होंने हमारी ऐतिहासिक धरोहर को जमींदोज करने का प्रयास किया है जिन्होंने सनातन संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया है, उन्हें भी चिह्नित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह पत्र मैं जिलाधिकारी को सौंपने जा रहा हूं। राजा साहब ने कहा है कि यह बावड़ी पुरातत्व विभाग को सौंपी जानी चाहिए। पुरातत्व विभाग इसका सर्वे करे। जिला प्रशासन इसको जनता के सामने लाए। पुनः इसका सौंदर्यीकरण किया जाना चाहिए। एएसआई की टीम लगातार आ रही है। वे इसका सर्वे कर रहे हैं। हम लोगों का दावा है कि यह 1700 ईस्वी की है और इसे जो राजा आत्माराम जी ने बनवाया था। यह वही समय की निकलेगी। ज्ञात हो कि संभल जिले के चंदौसी शहर में पुरातत्व विभाग की खुदाई में मिली तीन मंजिला बावड़ी को लोग अपने–अपने दावे कर रहे हैं। इस बीच मुरादाबाद की सहसपुर रियासत के वारिस पूर्व सांसद राजा चंद्रविजय सिंह सामने आए हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि चंदौसी में मिली तीन मंजिला बावड़ी उनके पुरखों की मिल्कियत है।

ओपी राजभर का अजीबोगरीब दावा: हनुमान जी राजभर जाति में पैदा हुए थे

उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को अजीबोगरीब दावा करते हुए कहा कि हनुमान जी राजभर जाति में पैदा हुए थे। राजभर ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के आंबेडकर प्रेम को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को वर्ष 2012 से पहले आंबेडकर के नाम से इतनी चिढ़ थी कि मंचों से कहा करती थी कि लखनऊ में बने आंबेडकर पार्कको सत्ता में आने पर गिरा कर शौचालय का निर्माण करेगी। राजभर ने शनिवार को जिले के चितबड़ागांव क्षेत्र के वासुदेवा गांव के मुख्य द्वार पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा निर्माण के लिए आयोजित भूमि पूजन और जनसभा को संबोधित करते हुए हनुमान जी को लेकर एक अजीबोगरीब दावा किया है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी राजभर जाति में पैदा हुए थे। राजभर ने कहा, "जब राम लक्ष्मण जी को अहिरावण पाताल पुरी में ले गया था, तब पाताल पुरी से उन्हें निकालने की किसी की हिम्मत नहीं पड़ी। अगर निकालने की हिम्मत पड़ी तो राजभर जाति में पैदा हुए हनुमान जी की ही पड़ी।" उन्होंने कहा, "गांव में बुजुर्ग आज भी छोटे बच्चों के झगड़ा करते समय बोलते हैं कि भर बानर हैं।

पूर्व पीएम डा. मनमोहन सिंह की अस्थियों के विसर्जन में नहीं पहुंचे गांधी परिवार और कांग्रेस नेता, भाजपा ने लगाया आरोप

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से अस्थि विसर्जन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, श्श्आज भारत मां के सपूत और देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अस्थियां पूरे विधि ा–विधान के साथ मजनू का टीला स्थित गुरुद्वारे के पास यमुना घाट पर विसर्जित की गईं। हम सभी मनमोहन सिंह जी की देश सेवा, समर्पण और उनकी सहजता को हमेशा याद रखेंगे। वहीं, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन के वक्त कांग्रेस का कोई नेता मौजूद नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो भी शेयर की। अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्श्यह देखकर बहुत दुख हुआ कि डॉ. मनमोहन सिंह जी के पार्थिव शरीर को लेने के लिए कांग्रेस या गांधी परिवार का एक भी सदस्य नहीं आया। मीडिया का ध्यान खींचने और राजनीति करने के लिए कांग्रेस मौजूद थी, लेकिन जब उन्हें सम्मान देने की बात आई तो वे नदारद हो गए। वाकई शर्मनाक है। 26 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन 92 साल की आयु में दिल्ली के एम्स में हो गया था। 28 दिसंबर को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के निगमबोध घाट पर किया गया था। इससे पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित न करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया था। दरअसल,कांग्रेस के राष्ट्रीयअध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी के नाम चिट्ठी लिखकर पूर्व पीएम का अंतिम संस्कार वहीं कराने का निवेदन किया था,।

अगले साल होने वाले बिहार चुनाव में एनडीए की विदाई तय : तेजस्वी यादव

पटना,(एजेंसी)। प्रशासन ने गांधी मैदान में छात्र संसद की नहीं दी अनुमति, रद्द की जन सुराज पार्टी की मांगअगले साल होने वाले बिहार चुनाव में एनडीए की विदाई तय तेजस्वी यादव हाजीपुर। बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर पहुंचे।

यहां उन्होंने ना केवल महागठबंधन की 17 महीने की सरकार में किए गए कार्यों का गुणगान किया, बल्कि, एनडीए सरकार के सौतेला व्यवहार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने राघोपुर विधानसभा के मोहनपुर स्थित सामुदायिक भवन परिसर में कई लोगों को राजद की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां डिग्री कॉलेज के लिए महागठबंधन की

सरकार में हिम्मतपुर में जमीन खोजकर दिया गया, लेकिन, अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 2024 जाने वाला है और 2025 में एनडीए सरकार की भी विदाई तय है। बिहार में पिछली बार ही महागठबंधन की सरकार बन गई थी। लेकिन, बेईमानी कर सरकार नहीं बनने दी गई। हमारे प्रत्याशियों को मामूली अंतर दिखाकर हरा दिया गया। इस बार सरकार बनाने से हमें कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि आज बिहार में बिजली सबसे महंगी मिल रही है। स्मार्ट मीटर से लोग परेशान हैं। अनाप–शनाप बिल आ रहा है। हम लोगों की सरकार बनने के बाद 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। उन्होंने श्माई बहिन मान योजनाश की चर्चा करते हुए कहा कि इस महंगाई में महिलाओं को अपना शौक पूरा नहीं हो पा रहा है। वह घर की आवश्यकता की ही पूर्ति मुश्किल से कर पा रही हैं। अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे, जिससे महिलाएं समृद्ध बनेंगी। उन्होंने इस दौरान महागठबंधन के 17 महीने के कार्यकाल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि उस काल में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। पांच लाख लोगों को नौकरियां दी गई तो जातीय जनगणना कराई गई। इस आधार पर आरक्षण की भी व्यवस्था की गई थी।

जंगपुरा विधानसभा के लिए मनीष सिसोदिया का शिक्षा घोषणा पत्र जारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी विधानसभा के लिए अलग से शिक्षा घोषणा पत्रश जारी करने वाले मनीष सिसोदिया पहले नेता बन गए हैं। उन्होंने अपने जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए शिक्षा घोषणा पत्रश जारी की है। दिल्ली में शिक्षा क्रांति के जनक कहे जाने वाले पूर्व उपमुख्यमंत्री ने जंगपुरा के बच्चों का भविष्य संवारने की बात कही है। मनीष सिसोदिया ने शिक्षा घोषणा पत्र में शिक्षा को महत्व देते हुए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों का कायाकल्प करने का वादा किया है। उन्होंने कहा, ष्मैंने शिक्षा मंत्री के रूप में काम करते हुए दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक ठोस नींव तैयार की है। अब जंगपुरा से विधायक बनने के बाद क्षेत्र के स्कूलों में क्रांतिकारी बदलाव लाने पर काम करूंगा। यहां सराय काले खां और हजरत निजामुद्दीन इलाके में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो नए स्कूल बनाए जाएंगे। सरकारी स्कूलों की तरह ही क्षेत्र के सभी सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं दी जाएंगी और निजी स्कूलों को मनमाना फीस नहीं बढ़ाने दिया जाएगा। साथ ही, हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू के साथ उन भारतीय भाषाओं के टीचर्स भी रखे जाएंगे जो वहां पढ़ने वाले बच्चों की मातृ भाषा है। मनीष सिसोदिया ने जारी शिक्षा घोषणा पत्र में कहा है कि बच्चों की अच्छी शिक्षा ही किसी परिवार की तरक्की का एकमात्र जरिया है। हम सब चाहते हैं कि हमारा बच्चा बड़ा होकर एक सफल और प्रतिष्ठित व्यक्ति बने। लेकिन उसके लिए बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलनी बहुत जरूरी है। मैंने शिक्षा मंत्री के रूप में काम करते हुए दिल्ली के हर बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक ठोस नींव तैयार की है। अब मैं आपकी जंगपुरा विधानसभा से आपके विधायक के रूप में भी काम करने आ रहा हूं। अपने घोषणा पत्र में उन्होंने बताया है कि नया स्कूल और वर्तमान स्कूलों में नई बिल्डिंग समेत अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। सराय काले खां और हजरत निजामुद्दीन इलाके में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो नए स्कूल बनाए जाएंगे। फिरोज शाह कोटला और हरि नगर आश्रम के स्कूल में शानदार नई बिल्डिंग बनाई जाएगी और यहां बच्चे 12वीं तक की पढ़ाई कर सकेंगे। सभी स्कूलों में टीचर्स की संख्या पूरी रहेगी। स्कूलों में सिक्योरिटी गार्ड और सफाई कर्मचारी होंगे ताकि सुरक्षा और सफाई की व्यवस्था बेहतरीन रहे। ट्रैफिक पुलिस के साथ तालमेल रहेगा ताकि स्कूल लगने–छूटने के समय बच्चों को असुविधा न हो। दिल्ली सरकार के स्कूलों को 17 नगर निगम के स्कूलों और क्षेत्र की सभी 62 आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ जोड़ा जाएगा ताकि तीन साल से लेकर 18 साल की उम्र तक हर बच्चे को शिक्षा का अच्छा अवसर मिले। घोषणा पत्र के मुताबिक, क्षेत्र के सभी 11 सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी वही शैक्षिक सुविधा दी जाएगी जो दिल्ली सरकार के स्कूलों के बच्चों को मिलती है। उन बच्चों की भी शैक्षिक प्रगति को लगातार ट्रैक किया जाएगा। सुनिश्चित किया जाएगा कि शिक्षा निदेशालय सभी सहायता प्राप्त स्कूलों के अनुदान समय से वितरित करे। मनीष सिसोदिया ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी प्राइवेट स्कूल को मनमाने तरीके से फीस बढ़ाने की इजाजत नहीं होगी। टीचर्स और प्रिंसिपल्स के लिए सम्मान, सुविधाएं और ट्रेनिंग के अवसर दिए जाएंगे। डीआईईटी दरियागंज को आधुनिक ट्रेनिंग और रिसर्च सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि टीचर्स को पढ़ने–पढ़ाने के नए तरीके विकसित करने के लिए प्रेरणा और सपोर्ट मिल सके।

भाजपा ने राहुल गांधी पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में गांधी पर यह कहने के लिए कड़ा प्रहार किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने निगमबोध घाट पर सिंह का अंतिम संस्कार करके सिंह का अपमान किया है, जबकि अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार उन स्थलों पर किया गया जहां बाद में स्मारक बनाने की अनुमति थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा को डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार से संबंधित विषय पर संवाददाता सम्मेलन करना पड़ रहा है... उनके निधन के बाद से ही केंद्र सरकार उनके लिए एक स्मारक बनाने की तैयारी कर रही है।'' पात्रा ने कहा, ''कैबिनेट की बैठक बुलाई गई और शोक संदेश जारी किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री को

उनके कद के अनुरूप उचित सम्मान देने का भी निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने डॉ. सिंह के परिवार और कांग्रेस, दोनों को सूचित किया कि एक स्मारक बनाया जाएगा ताकि हर कोई उनके सकारात्मक योगदान को याद रख सके। हालांकि भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट बनाने और अन्य औपचारिकताओं के लिए समय चाहिए, वहीं अंतिम संस्कार में भी देरी नहीं की जा सकती। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अतीत में अपने नेताओं – पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का ''अपमान'' किया था।

संपादकीय

'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार

भारत की 'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार, लगातार 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे, कई 'मील–पत्थर' योजनाओं के सूत्रधार, महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह दिवंगत हो गए। उन्होंने 92 साल की भरी–पूरी जिंदगी जी और देश को 'दूसरी आजादी' दिलाई, इससे ज्यादा एक जिंदगी में और क्या किया जा सकता था? लिहाजा उनका देहावसान उनकी पार्थिव नियति ही है। भारत आजाद देश था, लेकिन औसत भारतीय के स्वप्न और आर्थिक आयाम अपेक्षाकृत आजाद नहीं थे। हम एक गरीब और कर्जदार देश थे। बहरहाल आज विकासशील देश हैं और 'विकसित' बनने का लक्ष्य तय किया है। 1991 के दौर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र एक अरब डॉलर रह गया था, लिहाजा आयात का घोर संकट था। तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार को पेट्रोलियम और उर्वरक के आयात के लिए 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए 46. 91 टन सोना इंग्लैंड और जापान के बैंकों में गिरवी रखना पड़ा था। उस दौर में कांग्रेसी प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने डॉ. मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और उसी के साथ आर्थिक उदारीकरण ने भारत की 'दूसरी आजादी' का अध्याय लिखना आरंभ कर दिया। हालांकि डॉ. सिंह के पहले बजट के मसविदे को प्रधानमंत्री राव ने खारिज कर दिया था। उनकी उम्मीदें लीक से हटकर थीं। डॉ. सिंह के सामने आर्थिक चुनौतियां रखी गईं और बहुत थोड़े से वक्त में उन्होंने ऐसा बजट तैयार किया, जिसने भारत के 'आर्थिक भाग्य' को ही संकटों और अभावों से मुक्त कर दिया। अर्थव्यवस्था खोल दी गई। विदेशी निवेशकों और कंपनियों के लिए देश के दरवाजे खोल दिए गए। डॉ. सिंह कहा करते थे–भारत किसी से, क्यों डरे? हम विकास के ऐसे चरण में पहुंच चुके हैं, जहां विदेशियों से डरने के बजाय हमें उनका स्वागत करना चाहिए। हमारे उद्यमी किसी से कमतर नहीं हैं। हमें अपने उद्योगपतियों पर पूरा भरोसा है।' अंततरू 24 जुलाई, 1991 के उस बजट ने आर्थिक उदारीकरण का जो दौर शुरू किया, उसके दो साल के भीतर ही विदेशी मुद्रा भंडार 10 अरब डॉलर, यानी 10 गुना अधिक, हो गया। लाइसेंस और इंस्पेक्टर राज का दौर समाप्त हुआ और 34 क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का ऑटोमैटिक रूट तैयार कर दिया गया। कंपनियों पर कई पाबंदियां उठा ली गईं। कॉरपोरेट के पूंजीगत मुद्दों पर नियंत्रक खत्म किया गया और सेबी को संवैधानिक शक्तियां दी गईं। सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए आयकर अधिनियम की धारा 80 एचएचसी के तहत कर–छूट की घोषणा भी की गई। वित्त मंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह ने जिन आर्थिक सुधारों का सूत्रपात किया, उन्हें प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने भी निरंतर बनाए रखा, नतीजतन भारत दुनिया की उन आर्थिक सुधारों की बुनियाद पर ही आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और विदेशी मुद्रा का भंडार 650 अरब डॉलर से अधिक का है। वास्तव में डॉ. मनमोहन सिंह भारत की 'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार ही नहीं, कोई फरिश्ता थे, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, भारत सरकार में आर्थिक सलाहकार, रिजर्व बैंक के गवर्नर से लेकर प्रधानमंत्री तक की व्यापक जिम्मेदारियां और भूमिकाएं एक ही व्यक्ति नहीं निभा सकता। यकीनन वह एक दुर्लभ शख्सियत थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. सिंह ने कई 'मील–पत्थर' योजनाओं को क्रियान्वित किया। उस विरासत और जनवादी सोच को कौन भूल सकता है? प्रधानमंत्री सिंह ने 6–14 साल की उम्र के बच्चों के लिए अनिवार्य, मुफ्त शिक्षा का कानून बनाया। सरकारी पारदर्शिता और जवाबदेही के मद्देनजर 'सूचना का अधिकार' कानून बनाया। खाद्य सुरक्षा को कानूनी रूप दिया। साल में कमोबेश 100 दिन के रोजगार की गारंटी वाले 'मनरेगा' का कानून लागू किया। उन्हें नमन।

भारतीय शिक्षा के लिए एक परिवर्तनकारी

वर्ष 2024 भारत की शिक्षा प्रणाली के विकास में एक मील का पत्थर था, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा संचालित परिवर्तनकारी परिवर्तन, अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति और समावेशिता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता देखी गई। नीति, नवाचार और दूरदर्शिता के इस संगम ने एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की ओर एक निर्णायक छलांग लगाई जो वास्तव में भविष्य के लिए तैयार और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी है। हालाँकि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सकारात्मक गति हमारी प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने में मदद करेगी। एनईपी 2020 ने सभी स्तरों पर शिक्षा को नया आकार देते हुए व्यापक सुधार की गति निर्धारित की। जैसा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, बहु–विषयक दृष्टिकोण, लचीले पाठ्यक्रम और अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट ने लोकप्रियता हासिल की है, 70: से अधिक विश्वविद्यालयों ने क्रेडिट ट्रांसफर तंत्र को अपनाया है। क्षेत्रीय भाषा शिक्षण पर नीति के फोकस में वृद्धि देखी गई, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने मूलभूत शिक्षार्थियों के लिए बहुभाषी पाठ्यपुस्तकें शुरू कीं, जो भाषिनी जैसे एआई–सक्षम अनुवाद टूल द्वारा समर्थित हैं। एनईपी ने व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया, इसे उद्योग मानकों के साथ जोड़ा। स्किल इंडिया कार्यक्रम जैसी पहल ने बताया कि 1.5 मिलियन छात्रों को एआई और नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर कृषि–तकनीक तक के क्षेत्रों में प्रमाणपत्र प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इन विकासों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता को रोजगारपरक कौशल के साथ मिश्रित करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित किया। ।सेव त्मंक – 'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार प्रौद्योगिकी ने शैक्षिक असमानताओं को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म, बहुभाषी ई–संसाधनों के भंडार के साथ, 35 मिलियन से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करते हैं, मुख्य रूप से वंचित क्षेत्रों में। हाइब्रिड लर्निंग मॉडल को अपनाने से देश के दूर–दराज के इलाकों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ी है। एआई–संचालित वैयक्तिकृत शिक्षण उपकरणों ने लोकप्रियता हासिल की। शिक्षा मंत्रालय ने एआर और वीआर प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित वर्चुअल लैब को बढ़ावा दिया, जो परिवर्तनकारी उपकरण के रूप में उभरे, जो भौतिक प्रयोगशाला पहुंच के बिना छात्रों को गहन विज्ञान प्रयोग और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने इंटेल के सहयोग से एआई फॉर ऑल प्रोग्राम भी लॉन्च किया। कर्नाटक ने माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया के सहयोग से शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एआई–संचालित डिजिटल सहायक, शिक्षा सह–पायलट लॉन्च किया। परियोजना का उद्देश्य सीखने के परिणामों में सुधार करना और शिक्षकों को स्थानीय पाठ्यक्रम, भाषा और संदर्भ पर आधारित व्यापक, व्यक्तिगत शिक्षण संसाधन और सीखने के अनुभव बनाने के लिए सशक्त बनाना है। युवा मन में जुनून जगाने के प्रयास के अलावा ऐसी और पहलों का स्वागत किया जाएगा। उभरते उद्योगों की मांगों को पूरा करने के लिए प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसे कार्यक्रमों के विस्तार के साथ, 2024 में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया। कॉरपोरेट्स के साथ सहयोग ने सुनिश्चित किया कि छात्रों को एआई–आधारित डायग्नोस्टिक्स और टिकाऊ विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। शैक्षणिक संस्थानों और टाटा, इंफोसिस, विप्रो, रिलायंस आदि ।

कट्टरपंथियों के वर्चस्व से बढ़ी वैश्विक चिंताएं

डॉ. एन.के.

पिछले दिनों मिडल ईस्ट के सीरिया में जो तख्तापलट की घटना हुई उसके बाद अरब स्प्रिंग फिर चर्चा के केन्द्र में आ गया है। अरब स्प्रिंग या क्रांति के दौरान मध्यपूर्व में दशकों से सत्ता के केन्द्र में रहे शाही परिवारों व सैन्यशासकों को रुख्सत होना पड़ा था। सैन्य शासकों की ज्यादतियों और तानाशाही के खिलाफ टघ्यूनीशिया में जो चिंगारी सुलगी उसने अरब गणतंत्र की कई बड़ी शक्तियों को अपनी जद में ले लिया था। मिस्र के हुस्नी मुबारक हो या लीबिया के कर्नल गद्दाफी– इन तनाशाही शासकों को या तो देश छोड़कर भागना पड़ा या मौत के घाट उतार दिए गए। यमन के अली अब्दुल्ला सालेह के साथ भी ऐसा ही हुआ। तानाशाहों की सत्ता किस तरह से कुछ ही क्षणों में भरभराकर गिर जाती है, उस वक्त दुनिया ने देखा था। रूस और ईरान जैसी बड़ी ताकतों के साथ मिल जाने के कारण उस वक्त सीरिया का 'प्रेसिडेंशियल पैलेस' विद्रोहियों की पहुंच से बच गया था। अब जिस ढंग से सीरिया में तानाशाह राष्ट्रपति बशर–अल–असद को देश छोड़कर भागना पड़ा है उसे देखकर अरब स्प्रिंग की याद ताजा हो जाती है। तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के नेता मोहम्मद अल–जुलानी ने मोहम्मद अल–बशीर को कार्यवाहक सरकार का मुखिया नियुक्त करते हुए जन सहमति से सरकार बनाने की बात कही है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का वादा किया है। लेकिन साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि शासन इस्लामिक सिद्धातों पर आधारित होगा। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की वजह से सीरिया पहले से ही काफी खराब स्थिति में है। अब जुलानी की जिस तरह से इस्लामिक सिद्धांतों के आधार पर शासन चलाने की योजना है उससे वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ गई है। खासतौर से ईरान की। तख्तापलट के बाद जिस तरह से विद्रोही गुट के लड़ाकों की ओर से असद समर्थकों पर अत्याचार की तस्वीरें सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए यह सवाल उठने लगा है कि कहीं सीरिया फिर से आईएसआईएस की गिरफ्त में तो नहीं आ जाएगा। यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि एचटीएस अलकायदा की कोख से ही निकला हुआ आतंकी संगठन है। सीरिया में शासन व्यवस्था का स्वरूप कैसा होगा यह देखना भी काफी दिलचस्प होगा। एचटीएस नेतृत्व वाले समूह में तुर्किये की समर्थन वाली सीरिया राष्ट्रीय सेना अर्थातघ् एसडीएफ के शामिल होने की बात भी कही जा रही है। अगर ऐसा होता है तो सीरिया की पूरी व्यवस्था एचटीएस, कुर्द, एसडीएफ और स्थानीय मिलिशिया समूहों में बंटी हुई दिखाई देगी। ऐसे में अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित और परस्पर विपरीत हितों के लिए संघर्षरत इन गुटों के बीच एकता और शांति की बात करना हाथी को सूई के छेद से निकालने के बराबर होगा। ऐसे में सीरिया और उसकी अवाम का भविष्य क्या होगा, यह प्रश्न भी कौतूहल बढ़ा रहा है। पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि क्रांति के दौरान रूस और ईरान जैसे देशों द्वारा राष्ट्रपति बशर–अल–असद और उनके समर्थकों को जो हथियार दिए गए थे, उनका क्या होगा। हथियारों का यह जखीरा सीरिया की सत्ता पर काबिज चरमपंथी गुटों के हाथ लग गया तो इसका उपयोग वह कब, कहां और किस रूप में करेंगे, यह प्रश्न सीरियाई अवाम के लिए जितना चिंताजनक है, उससे कहीं अधिक विश्व समुदाय के लिए भी है। कुल 3.35 करोड़ की आबादी वाला सीरिया आर्थिक व भू–राजनीतिक दृष्टि से पश्चिम एशिया का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। इसकी सीमाएं इराक, तुर्कीये, जॉर्डन, लेबनान व इस्राइल जैसे देशों से लगती हैं। सीरिया पर नियंत्रण अहम व्यापार मार्गों, ऊर्जा गलियारों तक पहुंच प्रदान करता है। पश्चिमी एशिया में वह रूस का सबसे भरोसेमंद पार्टनर रहा है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि अचानक असद की सत्ता का अंत कैसे हो गया। दरअसल, अरब स्प्रिंग के दौरान जब सीरिया में बशर–अल–असद के खिलाफ प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो उस वक्त रूस और ईरान की मदद से असद उसे कुचलने में कामयाब हो गये थे। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। रूस और ईरान दोनों ही अपनी–अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। पुतिन यूक्रेन को निपटाने में व्यस्त हैं। अली खामेनेई इस्राइली मोर्चे पर डटे हुए हैं। रणनीतिक हित और भू–राजनीतिक स्थितियां भी दोनों नेताओं के हाथ बांधे हुए हैं। रूस को लगता है कि यूक्रेन युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में वह यूक्रेन के अधिक से अधिक भू–भाग पर कब्जा करना चाहता है ताकि संघर्ष विराम की स्थिति में वह उसे अपने पास रख सके। इस रणनीतिक हित के कारण वह अपनी पूरी सैन्य क्षमता के साथ यूक्रेन के मोर्चे पर डटे रहना चाहता है। दशकों तक असद की ढाल बने रहने वाला ईरान भी हमास और हिजबुल्ला के सर्वोच्च कमांडरों के मारे जाने के बाद खौफ की स्थिति में है। अमेरिका और इस्राइली हमले के अंदेशे के चलते वह सीरिया में सीधे हस्तक्षेप से बच रहा है। लब्बोलुआब यह

कि 2011 जैसी स्थिति अब नहीं थी। ऐसे में रूस और ईरान की नाक का बाल बने असद अकेले पड़ गए थे। विद्रोही गुटों ने हालात का फायदा उठाया और दमिश्क पर चढ़ाई कर दी। हालांकि, पिछले कई वर्षों से असद की शिया सरकार और विभिन्न चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था। लेकिन जिस नाटकीय ढंग से असद सरकार का पतन हुआ और जिस तरह से वहां की फौज ने बिना लड़े ही हथियार डाले हैं, उस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब असद सरकार के पतन के बाद जिस तरह से इस्राइली सेनाओं द्वारा गोलान के पहाड़ी रास्तों से सीरिया के अंदर हमले करने के समाचार आ रहे हैं, उससे शक की सूई मोसाद (इस्राइल की खुफिया एजेंसी) की ओर भी घूम रही है। पश्चिम एशिया में इस्राइल ही एक ऐसा देश है जिसे असद सरकार के पतन का सबसे बड़ा लाभकारी पक्ष कहा जा रहा है। वह शुरू से ही यहां सीमाओं के विस्तार और बफर जोन के निर्माण की नीति में जुटा हुआ है। सीरियाई सेना की क्षमता को कुंद करना उसका इसी नीति का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, असद सरकार के पतन के बाद अब दुनिया के कई ताकतवर देश वहां हालात सामान्य बनाने की कोशिशों में लगे हुए हैं लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद जिस तरह से दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में इस्लामिक चरमपंथ का उभार हो रहा है, उसे देखते हुए सीरिया की सत्ता पर काबिज एचटीएस लोकतांत्रिक व्यवस्था के मार्ग पर आगे बढ़ेगा, यह संदेहास्पद ही है।

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश–विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन–जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ–साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री–पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल–मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ० सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ० सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ० सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत–अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है। 2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार–आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया। डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार–चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है– आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार–बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

प्रखर बुद्धि व अद्वितीय विनम्रता के पर्याय

एन.एन.

डॉक्टर मनमोहन सिंह का दुःखद निधन एक दुर्लभ राजनीतिक नेतृत्व के समापन का पर्याय है। ऐसा नेतृत्व जिसकी पहचान असाधारण बौद्धिक क्षमता, ईमानदारी, पारदर्शिता और अद्वितीय विनम्रता के तौर पर रही है। वह मितभाषी थे और उन्होंने सबकी सुनी, चाहे कोई छोटा हो या बड़ा। उन्होंने बेहद जटिल मुद्दों का समाधान खुद की सूझ–बूझ से निकाला जो राष्ट्रीय हित में सर्वोत्तम निर्णय रहे। डॉ. सिंह के भारत लौटने के कई साल बाद, मुझे एक बहुत ही प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री प्रोफेसर से बतौर अपने ट्यूटर मिलने का सौभाग्य मिला। उनके साथ डॉ. मनमोहन सिंह ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट की थी। डॉ. लिटल और उनकी धर्मपत्नी हमेशा सभी को गर्व से बताते थे कि डॉ. मनमोहन सिंह एक असाधारण अर्थशास्त्री थे, जो उस विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले सर्वश्रेष्ठ स्कॉलर्स में से एक थे। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में भी उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी। बतौर प्रशासनिक अधिकारी अपने कैरियर के दौरान मुझे डॉ. सिंह के साथ काम करने का सौभाग्य तब मिला, जब वह सबसे कठिन दौर में देश के केंद्रीय वित्त मंत्री थे। उस वक्त देश को बेहद विषम परिस्थितियों में अपने स्वर्ण भंडार को गिरवी रखने के लिए मजबूर होना पड़ा था। मैंने उस वक्त क्रमशः रक्षा और गृह सचिव के रूप में कार्य किया था। उस वक्त संबंधित विभागों की वित्तीय राहत के आग्रह के लिए मुझे प्रतिदिन उनके कार्यालय में दस्तक देनी पड़ती थी। डॉ. सिंह को सदैव राष्ट्रीय हितों के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता के लिए याद किया जाएगा। वर्ष 1990 के दशक की शुरुआत में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत की उद्यमशीलता की भावना यानी 'जिंदादिली' को उजागर करने का प्रयास किया। उस कठिन दौर में उनके महत्वपूर्ण कदमों का ही परिणाम था कि भारत 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के कुप्रभाव से बचा रहा। अपनी ही पार्टी के विरोध के बावजूद उन्होंने सिविल न्यूक्लियर समझौते के लिए अमेरिका से संपर्क साधा और इस तरह वैश्विक पटल पर भारत एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में उभरकर सामने आया। पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के प्रति उनका समर्पण निस्संदेह असाधारण था। इससे भारत और पड़ोसी देशों के लोगों के बीच संबंधों में काफी सुधार हुआ। विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के नागरिकों से नागरिकों के बीच संबंध बढ़ाने में, 2008 के मुंबई हमलों के बावजूद, विशेषकर उन्होंने पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को इन हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराने में कोई संकोच नहीं किया। मुझे एक बार फिर डॉ. मनमोहन सिंह के साथ तब काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जब वह प्रधानमंत्री थे और मुझे जम्मू–कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। डॉ. सिंह हमेशा नैतिक पथ पर चलने वाले शख्स थे। बात चाहे एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उनके कामकाज की हो, या फिर एक केंद्रीय मंत्री के रूप में और चाहे बतौर प्रधानमंत्री, अपने लम्बे और प्रतिष्ठित कैरियर के दौरान उन्होंने किसी प्रचार की चाहत नहीं रखी और नैतिक मार्ग पर चट्टान की तरह अडिग रहे। इसके लिए भले ही उन्हें उस राजनीतिक दल से भी परेशानी क्यों न उठानी पड़ी हो, जिसका वह प्रतिनिधित्व करते थे। निस्संदेह उन्हें आने वाले दशकों तक सम्मान के साथ याद किया जाएगा। मेरी पत्नी और मैं, श्रीमती गुरशरण कौर तथा उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं तथा प्रार्थना करते हैं कि प्रभु उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

लव मैरिज को लेकर हुई मारपीट मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के सरोखनपुर वार्ड नंबर 14 में प्रेम–प्रसंग के चलते दो परिजनों के बीच जमकर लाठी डंडे चले थे जिसमें कोतवाली पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया है। फिलहाल उक्त प्रकरण को क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि सरोखनपुर वार्ड नंबर 14 निवासी सभासद दिलीप शर्मा का पड़ोस की एक

युवती से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। लगभग दो महीने पूर्व सभासद ने पड़ोस की युवती तन्नू शर्मा से मंदिर में शादी रचा लिया जिसके चलते दोनों के परिजनों के बीच रंजिश चल रही थी। उक्त रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चलने लगे वही मारपीट की घटना में कुल 16 लोग घायल हुए थे। पुलिस केस दर्ज करते हुए घटना के 24 घण्टे के अंदर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जिनके कब्जे से दो लाठी डण्डा बरामद करते हुए वाछिंत अभियुक्तगण दिलीप शर्मा और जयप्रकाश शर्मा पुत्रगण स्व0 दयाराम शर्मा निवासी वार्ड नंबर 14 सरोखनपुर थाना बदलापुर जनपद जौनपुर सम्बन्धित का चालान न्यायालय भेजते हुए पुलिस अग्रिम विधिक कार्यवाई में जुटी है।

अधिवक्ता समिति के 6 पदाधिकारियों के के लिए 300मतदाताओं में 285 ने किया मतदान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मछलीशहर तहसील सभागार में अधिवक्ता समिति चुनाव के लिए कुल 300 मतदाताओं में 285 ने मतदान किया।मतदान शांति पूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष पद के लिए जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव,बृजेश कुमार श्रीवास्तव एवं हुबेदार पटेल,महामंत्री पद पर आलोक कुमार विश्वकर्मा,अवनींद्र दूबे एवं नंदलाल यादव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रमेश प्रताप सिंह,संजीव चौधरी,उपाध्यक्ष दो पद(10वर्ष से अधिक अनुभव)पद पर

अशोक कुमार मिश्रा,जितेंद्र प्रताप यादव,राजेश कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष पद पर संदीप श्रीवास्तव,सतीश कुमार,संयुक्त सचिव प्रशासन अनुराग श्रीवास्तव,राम सिंह पटेल के बीच कुल 6 पदों पर मुकाबला था।एल्डर्स कमेटीध्चुनाव संचालन समिति के दिनेश चंद्र सिन्हा,केदार नाथ यादव,ब्रह्मदेव शुक्ल,अशोक कुमार श्रीवास्तव,हरिनायक तिवारी,महामंत्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव,पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह की उपस्थिति में मतदान सम्पन्न हुआ।तहसील परिसर में क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा,प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी सिंह सहित भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही।11बजे से तीन बजे तक अधिवक्ता भवन में मतदान प्रक्रिया चली।31 दिसंबर को 11 बजे से मतों की गणना होगी।

संस्थापक राजेंद्र प्रसाद की मनाई गई तेरहवीं पुण्यतिथि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मां दुर्गावती देवी बालिका शिक्षण संस्थान प्रांगण में विद्यालय के संस्थापक की तेरहवीं पुण्यतिथि मनाई गई। रविवार की सुबह विद्यालय परिवार ने संस्थापक राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की तेरहवीं पुण्यतिथि उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके मनाई, जिसमे प्रधानाध्यापक सतीश चन्द्र ऊमर वैश्य, प्रबंधक संदीप गुप्ता ने अपने समाजसेवी पिता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के चित्र पर माला पहनाया और दीपक जलाकर नम आंखों से सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया। अध्यापक कमलेश उपाध्याय ने संस्थापक के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि राजेंद्र प्रसाद बहुत ही अच्छे विचारों वाले समाजसेवी तथा ईमानदार व्यक्तियों में से एक इंसान थे, इनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है, इन्होने शिक्षण संस्थान की नींव डालकर समाज को जो संदेश दिया है वह हमेशा प्रशंसनीय रहेगी, बीस वर्षो से लगातार इस विद्यालय की छवि गरिमापूर्ण रही है, हमें आशा ही नहीं विश्वास भी है कि इनका परिवार इस संस्था को नित नई ऊंचाईयां देता रहेगा, वही इस मौके पर दुर्गावती देवी, अंबालिका गुप्ता, अध्यापक संतोष सिंह, विजय दुबे, चंद्रकांत यादव, प्रशांत सिंह, विजेतानंद रजक, सुषमा शर्मा, आंचल सिंह, मोनू, सतीश गुप्ता, हौशीला, जे पी गुप्ता सहित सभी ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया ।।

कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवा रोजगार सृजन के लिए आवेदन करें : उपायुक्त उद्योग

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

उपायुक्त उद्योग हर्ष प्रताप सिंह ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को गति देते हुए उद्योगों का प्रोत्साहित करने एवं इस क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार सृजित कराये जाने के उद्देश्य से ''मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान'' के तहत जनपद के युवाओं को वित्त पोषित कर इस योजना से स्वरोजगार मिशन से सूक्ष्म इकाईयों की स्थापना कराना है। श्री सिंह ने कहा है कि कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रू0–05 लाख की परियोजना हेतु 10 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान एवं 04 वर्षो तक 100 प्रतिशत ब्याज मुक्त, कोलेटरल गारण्टी मुक्त ऋण प्रदान किया जायेगा तथा सामान्य वर्ग के युवाओं को परियोजना लागत का 15 प्रतिशत, ओबीसी को 12.5 प्रतिशत, एससीध एसटीधदिव्यांग को 10 प्रतिशत स्वयं का अंशदान जमा करना होगा। उन्होने कहा कि इस योजना में आवेदक प्रदेश का निवासी हो, आयु 21 से 40 वर्ष हो तथा न्यूतम कक्षा 8 पास हो तथा सरकार द्वारा संचालित अथवा किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय व शैक्षिक संस्थान से कौशल में प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो और आवेदन केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही करें।

पूर्व में अपराध के आरोपी 17 लोगों पर हुई निरोधात्मक कार्यवाही

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के कई गांव के पूर्व में लूट,चोरी व नकबजनी वाले 17 अपराधियों पर पुलिस ने निरोधात्मक कार्यवाही करके शांतिभंग में चालान किया।इस कार्यवाही से हड़कम्प मचा हुआ है। थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ के निर्देश पर ऊक्त मामलों के चिन्हित लोगो को पकड़ कर थाने लाया गया।उन सभी के चाल चरित्र का पता लगाया गया।सभी पर कार्यवाही की गई।साथ ही उन लोगों को कड़ी हिदायत दी गयी कि किसी प्रकार की शिकायत पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।पकड़े गए अभियुक्त अनिल निषाद पुत्र राम अवतार,राजेश निषाद पुत्र भुल्लन,सुखराम निषाद पुत्र राजेश निवासीगण मोहद्दीपुर,उमाशंकर चौधारी पुत्र कौड़ीराम निवासी कादीपुर,दिनेश साहू पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल,ओमप्रकाश गौतम पुत्र स्वर्गीय रमाशंकर निवासी हिसामपुर,सदानंद पुत्र श्यामजी ठाकुरद्वारा किरतापुर,सुदीप पुत्र स्वर्गीय राम बुझारत निवासी करमही,वीरेंद्र उर्फ पप्पू यादव पुत्र दुर्गाप्रसाद निवासी पौना,निर्भय पाठक पुत्र बांकेलाल पाठक निवासी सुंगुलपुर,प्रवीण चौहान पुत्र परमहंस चौहान निवासी बैजाबाद,संजय गुप्ता उर्फ खिचड़ू पुत्र सुबाष चन्द्र गुप्ता निवासी सेवईनाला,मुनिल यादव पुत्र रामबली निवासी नाथूपुर,राजेश गुप्ता, प्रवेश गुप्ता पुत्रगण इमरती लाल गुप्ता निवासी माधोपट्टी,फैयाज अली पुत्र समसुद्दीन निवासी कजगाव,विश्वजीत यादव पुत्र रामजीत यादव निवासी नेवादा के ऊपर उक्त कार्यवाही की गयी।पुलिस के इस कार्यवाही के बाद इस तरह के लोगों में हड़कम्प मच हुआ है।

मुफ्त आवासीय शिक्षा से संवर रहा निर्माण श्रमिकों के नौनिहालों का जीवन

अयोध्या।प्रदेश सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों एवं कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों एवं बाल विद्या सेवा योजना से आच्छादित बच्चों के लिए मुफ्त अटल आवासीय विद्यालय बच्चों को उत्कृष्ट आवासीय व्यवस्था के तहत पूर्णत निःशुल्क व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा की गयी पहल रंग ला रही है। निर्माण श्रमिकों के बच्चों और कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों का जीवन संवारने वाले इस मुफ्त आवासीय विद्यालय में अयोध्या मण्डल में कुल 280 जिसमें कक्षा–06 में 140 बालक व बालिका एवं कक्षा–09 में 140 बालक व बालिका इस प्रकार कुल 280 विद्यार्थियों को आगामी शैक्षिक सत्र 2025–26 में प्रवेश मिलेगा। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र कार्यालय से मिलने शुरु हो गये हैं। वर्तमान समय में विद्यालय में कुल 360 विद्यार्थी आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण व्यवस्था के साथ विद्यालय में अध्ययनरत हैं।अयोध्या मण्डल के उपश्रमायुक्त प्रतिभा तिवारी द्वारा बताया गया कि अटल आवासीय विद्यालय उ० प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पूर्णतः निःशुल्क संचालित है, जिसमें निर्माण श्रमिकों एवं कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों को दाखिला होता है। विद्यालय में अध्यापन कार्य नवोदय विद्यालय एवं केंद्रीय विद्यालय के सेवानिवृत्त अनुभवी अध्यापकों द्वारा प्रदान किया जाता है। विद्यार्थियों हेतु रहने, खाने–पीने, लैब, लाइब्रेरी, खेल–कूद पाठ्य

पुस्तक, स्टेशनरी एवं चिकित्सा की उचित व्यवस्था के साथ–साथ आधुनिक शिक्षा की उत्तम व्यवस्था है।अयोध्या मण्डल के अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए अयोध्या, अमेठी, बाराबंकी, अंबेडकर नगर एवं सुल्तानपुर जनपद के विद्यार्थियों द्वारा ऑफलाइन माध्यम से आवेदन पत्र अपने–अपने जनपद के श्रम विभाग कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके साथ ही आवेदन फॉर्म बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय एवं अटल आवासीय विद्यालय के कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन फॉर्म दिनांक 29.12.2024 से मिलने शुरु हो गए है। भरे हुए आवेदन फार्म कार्यालय में दिनांक 20.01.2025 तक जमा होंगे। कोरोना कॉल के निराश्रितध्अनाथ बच्चों के आवेदन फॉर्म जिला प्रोबेशन कार्यालय में भी जमा कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा हेतु विद्यार्थियों को पृथक से सूचित किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया के उपरांत मेरिट के आधार पर ही विद्यार्थियों का प्रवेश लिया जाएगा।कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों एवं उ० प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिक, कोरोना काल में अनाथ बच्चे एवं बाल विद्या सेवा योजना से आच्छादित बच्चें जिनमें कक्षा–06 में प्रवेश हेतु आयु 01. 05. 2012 से 31.07.2015 के मध्य एवं कक्षा 09 में प्रवेश हेतु आयु 01.05. 2010 से 31. 07.2012 के मध्य होना अनिवार्य है।इसके साथ ही बच्चों के माता–पिता की पंजीयन हेतु बोर्ड में सदस्यता 03 वर्ष पुराना जो 30.11. 2024 के पहले का होना चाहिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का रोस्टर जिलाधिकारी ने किया जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने अवगत कराया है कि प्रत्येक तहसील मुख्यालय पर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का आयोजन किया जाता है आगामी 06 माह में होने वाले ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' का रोस्टर निम्नानुसार है रू– 04 जनवरी 2025 प्रथम शनिवार को तहसील सदर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में, मछलीशहर में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील केराकत में ए0डी0एम0 (वि.ध्रा.), शाहगंज में ए0डी0एम0 (भू–राजस्व), 18 जनवरी 2025 तृतीय शनिवार को तहसील मड़ियाहूँ में जिलाधिकारी, बदलापुर में सीडीओ, केराकत में ए0डी0एम0 ए0डी0एम0 (भू–राजस्व), सदर में ए0डी0एम0 (वि.ध्रा.), 01 फरवरी 2025 को प्रथम शनिवार को तहसील मछलीशहर में डीएम, शाहगंज में सीडीओ, सदर में एडीएम (भू–राजस्व), मड़ियाहूँ एडीएम (वि.ध्रा.), 15 फरवरी 2025 तृतीय शनिवार बदलापुर डीएम, केराकत सीडीओ, मड़ियाहूँ एडीएम (भू–राजस्व), मछलीशहर एडीएम (वि.ध्रा.), 01 मार्च 2025 को तहसील शाहगंज में डीएम, सदर में सीडीओ, मछलीशहर में एडीएम (भू–राजस्व), बदलापुर एडीएम (वि.ध्रा.), 15 मार्च 2025 को तहसील केराकत में डीएम, मड़ियाहूँ में सीडीओ, बदलापुर में एडीएम (भू–राजस्व), शाहगंज एडीएम (वि.ध्रा.), 05 अप्रैल 2025 को तहसील सदर में डीएम, मछलीशहर में सीडीओ, शाहगंज में एडीएम (भू–राजस्व), केराकत एडीएम (वि.ध्रा.), 19 अप्रैल 2025 को तहसील मड़ियाहूँ डीएम, बदलापुर में सीडीओ, केराकत में एडीएम (भू–राजस्व), सदर एडीएम (वि.ध्रा.), 03 मई 2025 को तहसील मछलीशहर में डीएम, शाहगंज में सीडीओ, सदर में एडीएम (भू–राजस्व), मड़ियाहूँ एडीएम (वि.ध्रा.), 17 मई 2025 को तहसील बदलापुर में डीएम, केराकत में सीडीओ, मड़ियाहूँ में एडीएम (भू–राजस्व), मछलीशहर में एडीएम (वि.ध्रा.), 07 जून 2025 को तहसील शाहगंज में डीएम, सदर में सीडीओ, मछलीशहर में एडीएम (भू–राजस्व), बदलापुर में एडीएम (वि.ध्रा.), 21 जून 2025 को तहसील केराकत में डीएम, मड़ियाहूँ में सीडीओ, बदलापुर में एडीएम (भू–राजस्व), शाहगंज एडीएम (वि.ध्रा.) की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उक्त निर्धारित किसी सम्पूर्ण समाधान दिवस को अवकाश पड़ जाता है तो सम्पूर्ण समाधान दिवस अगले कार्य दिवस को आयोजित किया जायेगा।

गांव से शराब का ठेका हटवाने के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव में शराब का ठेका खोले जाने से परेशान दर्जनो ग्रामीण महिलाएं और पुरुषों ने सोमवार को शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित डीएम व एसपी कार्यालय का घेराव करते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा ।महिलाओं ने कहा गांव के बीच में शराब का ठेका होने से शराबी शराब पीकर हुड़दंग करते हैं।बहन बेटियों का रास्ते से निकलना हो गया मुश्किल। पवारा गांव की दर्जनो महिलाएं गांव में शराब के ठेके की शिकायत को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची।जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी पीड़ा बताई महिलाओं ने कहा कि गांव में कई वर्षो से शराब का ठेका खुला है जिसका हम लोग हमेशा बिरोध करते है।गांव में आबादी क्षेत्र में ठेका होने से गांव का माहौल खराब हो रहा है।गांव के बच्चों पर इसका असर हो रहा है।गांव की बहन बेटियाँ का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि इससे पहले इसकी शिकायत थाना पवारा

व एसडीएम मछलीशहर को भी किया गया है लेकिन कोई सुनवाई नही हुई है। ग्रामीण महिलाओं ने डीएम व एसपी से शिकायती पत्र देते हुए गांव से शराब का ठेका दूर हटवाने की मांग की है।उन्होंने कहा है कि अगर ठेका नही हटेगा तो गांव की महिलाएं धरने पर बैठने के लिए बाध्य होंगी।

गिरा मोबाइल वापस कर दोनों बेटियों ने ईमानदारी की मिशाल पेश किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर तेजीबाजार थाना क्षेत्र के गौराकलां निवासी सुरेंद्र सरोज उर्फ नाटे अपनी स्कॉर्पियो वाहन से सुल्तानपुर जा रहे थे, रास्ते में परमानपुर लंभुआ पहुंचते ही उनका कीमती मोबाइल गिर पड़ा, उसी रास्ते से वैष्णवी मिश्रा और प्राची मिश्रा पुत्री वेद प्रकाश मिश्र घर जा रही थी तो सड़क पर गिरा हुआ मोबाइल मिला, तो इन दोनों ने मोबाइल वाले के घर फोन कर सूचित किया। इस संबंध में वैष्णवी और प्राची मिश्रा से संवाददाता ने फोन वार्ता किया तो इन दोनों बेटियों ने बताया कि हम लोग बारहवीं कक्षा में पढ़ते है और स्कूल से पैदल घर जा रहे थे तो रास्ते में मोबाइल गिरा हुआ मिला,

सुरेंद्र के घर से फोन आने पर हमलोगों ने बताया कि आपका मोबाइल सुरक्षित मेरे यहां रखा हुआ है आकर ले लीजिए । इस नेक कार्य पर इनके माता पिता ने बेटियों की ईमानदारी की प्रशंसा की। आज इन दोनों बेटियों ने ईमानदारी की मिशाल पेश करके पूरे गांव और घर वालों का नाम रोशन कर दिया है ।।

एसएसपी ने विवेक राय को थानाध्यक्ष हैदरगंज तो आशा शुक्ला को सौंपा महिला थानाध्यक्ष की कमान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। एसएसपी राज करन नैय्यर ने नव वर्ष की पूर्व संध्या पर राम जन्मभूमि सुरक्षा में तैनात उप निरीक्षक आशा शुक्ला को महिला थानाध्यक्ष तथा दर्शन नगर चौकी पर तैनात चौकी प्रभारी विवेक राय को थाना हैदरगंज का थानाध्यक्ष बनाया।जबकि इससे पूर्व महिला थानाध्यक्ष रही मंजू देवी तथा हैदरगंज थानाध्यक्ष रहे मोहम्मद अरसद को पुलिस लाइन मे बुला लिया है।स्थानांतरण की इसी कड़ी में उप निरीक्षक जगन्नाथ मणि त्रिपाठी को दर्शन नगर पुलिस चौकी का प्रभारी, उप निरीक्षक जय किशोर अवस्थी को लक्ष्मण घाट चौकी का प्रभार सौपा।देखा जाए तो अभी कुछ दिन पहले हैदरगंज थाना क्षेत्र के एक मामले में रिपोर्ट लिखने तथा आरोपी के गिरफ्तारी मे हीला हवाली बरतने के चलते तथा इस मामले की जांच कर रहे सीओ अयोध्या के रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी राज करन नैय्यर ने यह कार्यवाही थानाध्यक्ष हैदरगंज मोहम्मद अरसद पर किया।वहीं अगर दूसरी ओर भी देखा जाए तो महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी तथा थाना हैदरगंज थानाध्यक्ष रहे मोहम्मद अरसद का भी कार्यकाल जिले में 3 साल से अधिक हो चुका है।मानक के मुताबिक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी 3 साल से अधिक उसी जिले में नहीं रह सकता है।संभावना यह भी जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में कई ऐसे थानों पर तैनात थानाध्यक्ष तथा पुलिसकर्मी है जो 3 साल से अधिक इस जिले में बिता चुके हैं उनका तबादला गैर जनपद में नए साल के जनवरी माह में हो सकता है।नवागत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला सबसे पहले जिले के मवई थाने में भी थानाध्यक्ष रह चुकी हैं।उन्होंने बताया कि उनकी प्रथम प्राथमिकता थाने पर आने वाली सभी फरियादियों की समस्याओं को सुनकर शीघ्र से शीघ्र उनके समस्याओं का निस्तारण करना होगा।इसके अलावा शहर में एंटी रोमियो टीम की मदद से मिशन शक्ति फेज – 5 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को उनके सुरक्षा के लिए प्रति अधिक से अधिक जागरूक करना तथा अराजक तत्वों पर नकल कसना होगा।वहीं हैदरगंज थानाध्यक्ष विवेक राय का भी मानना है कि थाना परिसर में जो भी मामले आएंगे कोशिश यही रहेगी कि थाना स्तर से ही उसका निस्तारण कर दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि क्षेत्र में संभ्रांत और क्षेत्र के लोगों से आपसी सामंजस स्थापित कर जहां एक ओर उन्हें पुलिस सुरक्षा का अहसास कराएगी वही अराजक तत्वों तथा अवैध रुप से शराब कारोबारी पर अंकुश भी पुलिस लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

नव वर्ष पर अराजक तत्वों से निपटेगी पुलिस : सीओ सिटी

अयोध्या।साल के अंतिम दिन व नव वर्ष पर अराजक तत्वों द्वारा समाज मे माहौल को खराब करने वाले लोगो से पुलिस सख्ती से निपटेगी।इसके लिए पुलिस बैठक कर रणनीति बना चुकी है।इन अराजक तत्वों से निपटने के लिए पुलिस कर्मियों के अलावा एंटी रोमियो की टीम में शामिल महिला पुलिस कर्मी तथा सादी वर्दी में महिला टीम भी शामिल रहेगी।यह जानकारी देते हुए सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि नव वर्ष पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रविवार से ही शहर में सभी जगह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।बताया कि शहर में रविवार से लेकर 1 जनवरी तक कोतवाली नगर क्षेत्र,थाना कैंट क्षेत्र मे लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि शहर के चौक, रिकाबगंज,सिविल लाइन,रीडगंज, देवकाली, फतेहगंज, नाका सहित कई

विभिन्न चौराहों पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई।इसके अलावा यातायात नियमो की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस कर्मियों द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। उन्होंने बताया कि नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सभी होटल, रेस्टोरेंट,गेस्ट हाउस,पेइंग गेस्ट हाउस,रोडवेज बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, गुप्तारघाट, गुलाबबाडी, सहित अन्य पार्को पुलिस कर्मियों द्वारा अभियान चलाया जाएगा।इन जगहों पर पुलिस कर्मियों द्वारा इन जगहों पर रह रहे लोगों का सत्यापन भी कराया जाएगा और जो संदिग्ध अवस्था में दिखेंगे उनके विरुद्ध पुलिस कठोर कार्यवाही करेगी। उन्होंने शहर वासियों से अपील किया कि नव वर्ष पर ना तो सड़कों पर तेज गति से वाहन चलाएं न ही स्टंट करें।नवागत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि अराजक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए साल के अंतिम दिन देर शाम तथा नए साल पर एंटी रोमियो टीम पुलिस टीम द्वारा शहर के विभिन्न पार्कों,होटल,पेइंग गेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस,रोडवेज स्टेशन,रेलवे स्टेशन,रेस्टोरेंट पर सक्रिय रहेगी।इन पुलिस कर्मियों की नजर वहां पर सक्रिय अराजक तत्वों पर रहेगी।इन दोनों अधिकारियों ने शहर वासियों से अपील किया है कि सभी लोग नव वर्ष को शांति पूर्वक

शिव केवल नाम के नहीं, अपितु काम के भी गुरू हैं : दीदी बरखा आनन्द

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शिव केवल नाम के नहीं, अपितु काम के भी गुरू हैं। शिव के औढ़रदानी स्वरूप से धन, धान्य, सन्तान, सम्पदा आदि प्राप्त करने का व्यापक प्रचलन है तो उनके गुरू स्वरूप से ज्ञान भी क्यों नहीं प्राप्त किया जाय? किसी सम्पत्ति या सम्पदा का उपयोग ज्ञान के अभाव में घातक हो सकता है। उक्त विचार दीदी बरखा आनन्द ने नगर के कुत्तूपुर क्षेत्र में आयोजित विराट शिव गुरू महोत्सव में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। यह आयोजन रविवार को वैश्विक शिव शिष्य परिवार द्वारा हुआ जहां हजारों की संख्या में महिला, पुरूष, युवा, वृद्ध आदि मौजूद रहे। शिव शिष्य साहब हरीन्द्रानन्द जी के संदेश को लेकर जौनपुर में आयोजित महोत्सव को लेकर आयीं दीदी बरखा आनन्द ने कहा कि शिव का शिष्य होने में मात्र 3 सूत्र ही सहायक हैं। पहला सूत्रकृ अपने गुरू शिव से मन ही मन यह कहें कि श्हे शिव, आप मेरे गुरू हैं, मैं आपका शिष्य हूं, मुझ शिष्य पर दया कर दीजिये। दूसरा सूत्रकृ सबको सुनाना और समझना है कि शिव गुरू हैं, ताकि दूसरे लोग भी शिव को अपना गुरू बनायें। तीसरा सूत्रकृ अपने गुरू शिव को मन ही मन प्रणाम करना है। इच्छा हो तो श्नमरू शिवायश मंत्र से प्रणाम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त 3 सूत्रों के अलावा किसी भी अंधविश्वास या आडम्बर का कोई स्थान बिल्कुल नहीं है। इसके पहले स्थानीय शिव भक्तों द्वारा शिवनाम संकीर्तन किया गया जिसके बाद हरी लाल प्रजापति ने आगतों का स्वागत किया। तत्पश्चात् सुभाष चन्द ने महोत्सव का उद्देश्य बताया जिसके बाद शिव भक्तों ने भजन किया। साथ ही बक्सर से आये मंगल सिंह ने मानव जीवन में गुरू की आवश्यकता पर चर्चा किया जिसके बाद रांची से आये शिव कुमार विश्वकर्मा ने शिव शिष्यता के 3 सूत्र पर चर्चा किया। इसी क्रम में सहरसा से आये परमेश्वर राय ने शिव का गुरू पद एवं उनकी शिष्यता के बारे में बताया जिसके बाद शिव भक्तों ने भजन किया तो रांची से आये सोमेन्द्र झा ने गुरू, सद्गुरू एवं जगतगुरू पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर तमाम हजारों पुरूष, महिला, युवा, वृद्ध आदि उपस्थित रहे। अन्त में दिलीप सोनकर ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आपके संस्थान के लिए आपके पूर्व छात्रों से बेहतर कोई एंबेसडर नहीं है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाल विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल चारबाग लखनऊ ने विद्यालय परिसर में एलुमनी मीट का आयोजन किया। जिसमें 1964 से 2020 तक कॉलेज के पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक कहावत है कि श्आपके संस्थान के लिए आपके पूर्व छात्रों से बेहतर कोई एंबेसडर नहीं है। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान के लिए गौरव के साथ–साथ सम्माननीय भी होते है। सहायक और लगनशील पूर्व छात्रों के होने से एक विशाल समर्थन प्रणाली बनती है और पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच एक सतत् संचार प्रणाली होनी चाहिए। शहर के इस प्रतिष्ठित संस्थान में रविवार दोपहर एक नया माहौल देखने को मिला। हंसमुख चेहरों के साथ प्रसिद्ध अधिवक्ताओं, आईटी विश्लेषकों, प्रोफेसरों और उद्यमियों ने अपने पुराने मित्रों से मिलने के लिए अपने दिल और दिमाग को नियंत्रित करने वाली भावनाओं के साथ अपने विद्यालय की ओर जाने का रास्ता खोज ही लिया। इनका गर्मजोशी से स्वागत किया मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के महामंत्री तथा विद्यालय के प्रबन्धक राजेश सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० आर० के० पाण्डेय ने। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं श्रद्धेय चंद्रभानु गुप्त जी के चित्रों पर पुष्पमाला एवं पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। विद्यालय के छात्रों द्वारा मां सरस्वती की आराधना श्हे मां सरस्वती का सुमधुर स्वर से गायन किया गया। श्स्वागतम स्वागतमश स्वागत गीत द्वारा स्वागत किया गया। विद्यालय के संगीत विभाग द्वारा श्रद्धेय चंद्रभानु गुप्त जी को समर्पित विद्यालय का कुलगीत श्जो सफर रुका नहींश प्रस्तुत किया गया। रंगारंग कार्यक्रम में जूनियर एवं सीनियर वर्ग ने गणेश वंदना गजानन आओ और पहाड़ी नृत्य श्गुलाबी शराराश तथा अन्य उत्साही कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। उसके बाद पूर्व छात्र संघ के प्रमुख पूर्व छात्र राकेश भार्गव ने मंच संभाला, उन्होंने बताया कि श्हमें आज 50 साल हो चुके है पर आज भी यहां आकर हम उसी उम्र में आ जाते है कई यादें ऐसी है जो अमिट है। उन्होंने पूर्व छात्र संघ के सदस्यों का परिचय कराया। जिन्होंने इसके बाद अपने संस्मरण साझा किए। बी०वी०एम० पूर्व छात्र संघ हर वर्ष युवा द्वितीय वर्ष के छात्रों को उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को पहचान दिलाकर तथा उन्हें उनकी सराहना के प्रतीक के रूप में पुरस्कृत करके प्रोत्साहित करता है। इस वर्ष दसवीं कक्षा 2023–24 के टॉपर मास्टर प्रसुख जैन, अंशिता श्रीवास्तव, कुमारी अन्वेषा चौधरी, मास्टर अभिज्ञान प्रकाश पाण्डेय, मिस शगुन गौतम और बारहवीं कक्षा 2023–24 के टॉपर्स आयुष प्रताप सिंह, मिस कृतिका औदिच्य, दीया अग्रवाल, अनिरुद्ध कुमार, सृष्टि चतुर्वेदी, सौम्या पांडे, हर्षित शर्मा,श्रेष्ठ गुप्ता आदि को सम्मानित किया गया। यह मीट स्वर्ण पदक से सम्मानित होने के साथ यादगार और उल्लेखनीय था और इस मंच की शोभा बढाई उन पूर्व छात्रों ने जिसमें प्रमुख रूप से शामिल थे। मुरली धर आहूजा, अरविंद कुमार श्रीवास्तव, राकेश भार्गव, संजीव अग्रवाल, सुयश गुप्ता, दीप्ति जोशी, कर्नल देशराज मिश्रा, कुलभूषण अग्रवाल, सुनील आनंद, जयंत कृष्णा, विजय जैन और अन्य सम्मानित गणों ने इस अवसर पर संस्थान के पूर्व शिक्षकों सरोजिनी कक्कड (पूर्व प्रधानाचार्या) वी० के० अवस्थी, संगीता सिंह, गीता शाह, गीता अग्रवाल, मंजू भटनागर, पुष्पा लोहानी, मनीषा कारकी को उनके पूर्व छात्रों द्वारा आभार के प्रतीक के रूप में सम्मानित करके यादगार बना दिया गया। सभी की निगाहें तब नम हो गईं जब दिवंगत बी०वी०एम० शिक्षक और पुराने छात्रों का मार्मिक उल्लेख किया गया। वर्ष 2024 में कई दुखद क्षण आए, जब बी०वी०एम० परिवार ने अपनी प्रिय शिक्षिका चंद्रा पांडे और अपने पुराने छात्रों संदीप खरबंदा (बैच–1981), धीरज खन्ना (बैच–1981), अमित गलानी (बैच–1983), दीपक वैश्य (बैच–1988) को खो दिया।

सावित्री बाई फूले जयंती को ऐतिहासिक बनाने के लिए अंतिम समीक्षा बैठक सम्पन्न

ब्यूरो सुलतानपुर। मोस्ट कल्याण संस्थान द्वारा 03 जनवरी 2025 को तिकोनिया पार्क में आयोजित होने वाली माता सावित्री बाई फूले जयंती पर मोस्ट प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 की तैयारी के लिए वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक अहम मीटिंग आयोजित की गई। यह मीटिंग मोस्ट कल्याण संस्थान के प्रधान कार्यालय निषाद भवन, विनोवापुरी में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर बताया गया कि तिकोनिया पार्क में आयोजित होने वाले इस समारोह में सात विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। हाईस्कूल में 85 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को लूसेन्ट सामान्य ज्ञान बुक और मोस्ट प्रतिभा सम्मान से नवाजा जाएगा। इसके अलावा, निःशुल्क मोस्ट पाठशालाओं के संचालकों को माता सावित्री बाई फूले प्रतिमा और शिक्षा रत्न सम्मान दिया जाएगा। वहीं, 2024 में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को मोस्ट जीवन रक्षक रत्न सम्मान दिया जाएगा, जबकि साहित्य, कला, विज्ञान, खेल, और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को वीरांगना फूलन देवी फ्रेन्ड फोटो और मोस्ट सेवा रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। साथ ही, मोस्ट के कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार करने वालों को एक–एक मोबाइल सेट और मोस्ट रत्न सम्मान मिलेगा। सामाजिक संगठनों के जिलाध्यक्षों को बाबा साहब की फ्रेन्ड फोटो और डॉ. अम्बेडकर रत्न सम्मान, जबकि कार्यक्रम में सहयोग करने वाले साथियों को मोस्ट समाज सृजनकर्ता सम्मान दिया जाएगा। मोस्ट रक्षक दल के 62 सदस्यों को ट्रैक शूट और प्रमुख अतिथियों को अशोक की लाठ भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। मीटिंग में मोस्ट संरक्षक भारत राम, पेरियार समभोले वर्मा, निदेशक श्यामलाल "गुरूजी", एनडी विद्रोही, राम सेवक मौर्या, मोस्ट प्रमुख जीशान अहमद, जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, एडवोकेट संतोष सोनकर "फौजी", जिला प्रमुख गोविंद भगत, और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह समारोह न केवल सावित्री बाई फूले के योगदान को सम्मानित करने का अवसर होगा, बल्कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने का एक बड़ा कदम साबित होगा।

इलाज के दौरान प्रेमी की भी टूटी सांस

ब्यूरो सुलतानपुर। इलाज के दौरान प्रेमी की भी टूटी सांस प्रेमिका द्वारा प्रेमी पर हमले के बाद प्रेमिका द्वारा आत्महत्या करने का मामला इलाज के दौरान लखनऊ के केजीएमयू में प्रेमी विकास पाल (25) की भी मौत प्रेमी के दोस्त के घर पर प्रेमिका ने प्रेमी पर बांके से हमला करने के बाद कर ली थी आत्महत्या थाना इनायतनगर के पाराताजपुर गांव के बाहर बोरे में मिला था युवती का शव प्रेमी का लखनऊ में चल रहा था इलाज प्रेमी विकास पाल पुत्र राम निधि पाल सुलतानपुर जिले के बल्दीराय थाना क्षेत्र के पूरे भरसैया मजरे नंदौली गांव का था निवासी।

भरत के त्याग का दीप जला, किया कामदगिरि से भारत को प्रणाम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शती पर चित्रकूट धाम पर भरत त्याग दीप पादुका महोत्सव काफी भाव पूर्वक से मनाया गया। अटल जी भरत की भांति सत्ता मे रहे त्याग पूर्वक इस पुनीत कार्य को गति अचार्य रामनारायण त्रिपाठी संरक्षक पादुका महोत्सव गायत्री शक्तिपीठ के पावन स्थल पर राजकुमार अचार्य आदि ने वैदिक मंत्रों के द्वारा पूजन पाठ कर दी गया तत्पश्चात अटल बिहारी वाजपेई के मानस पुत्र ने अपने ट्रस्ट के पदाधिकारी के साथ पादुकाओ को शीश पर रख करके कामद गिरि की परिक्रमा की राम भरत मिलाप मंदिर के महंत श्री 1008 राम मनोहर दास संरक्षक के अध्यक्षता में तथा मुख्य अतिथि के रूप में अनूप दास जी महाराज तथा महंत राम जानकी खाकी स्थान रामघाट मंगलदास साकेत पुरी एवं महंत अमित दास महाराज जानकी कुंड मौके पर उपस्थित रहे एवं किन्नर प्रेमा बुआ ने सुल्तानपुर ने चांदी का दीप भेट किया जो राम भरत के महन्त को भेंट किया और उसे प्रज्वलित किया गया तत्पश्चात संतों ने अपने–अपने विचार प्रकट किए लिए देखते हैं। चित्रकूट घाट की महिमा बताई भरत का त्याग लाओ भारत महान बनाओ। श्री राम यात्रा संग्रहालय के से राजेंद्र त्रिपाठी रहे भरत के त्याग के दीपक राजस्थान जयपुर से स्मृति मिश्रा जलकर सन्देश दिया भारत की रहने वाली इंग्लैंड मे रामा अग्रवाल ने डीप जलाए सेवाराम रतनानी ने छत्तीस गढ़ मे दिल्ली मे शोभा चौधरी ने हिमांचल प्रदेश शोभा नंद गिरि ने दीप जलाकर भरत के त्याग का संदेश दिया ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी संजीव द्विवेदी एडवोकेट हाई कोर्ट लखनऊ मानस पुत्र अटल बिहारी वाजपेई पूर्व प्रधानमंत्री एवम पदाधिकारी सचिव मदन मोहन शर्मा उपाध्यक्ष अखिलेश त्रिवेदी ऐडवोकेट अरिमर्दन उपाध्याय सदस्य सुनील कुमार मिश्रा आलोक सिंह सदस्य उपस्थित रहे।

हनुमानगंज बाजार मे दो मासूमो को वाहन ने कुचला, मौके पर मौत

ब्यूरो सुलतानपुर। कोतवाली देहात के हनुमानगंज बाजार मे बुधवार की रात आठ बजे अज्ञात वाहन ने घर के सामने सडक पार कर रहे दो मासूमो को कुचल दिया । दोनो की मौके पर मौत हो गयी है। पुलिस मौके पर पहुच कर स्थिति को संभाल रही है। दुर्घटना के बाद हाइवे पर लंबा जाम लग गया है। देहात कोतवाली के अंतर्गत,सुलतानपुर वाराणसी हाइवे पर बुधवार की रात आठ बजे सरे बाजार मे तेज रफ्तार वाहन ने दो मासूमो को रौंद दिया । दोनो की मौके पर ही मौत हो गयी तथा वाहन भाग निकला। मृतक बच्चो की पहचान मो फैज 16 व मो जैद 18 पुत्र चांदबाबू निवासी हनुमानगंज के रूप मे हुई है। दुर्घटना के बाद मौके पर बाजार वासी उमडपडे तथा लोगो की भीड़ एकत्रित हो गयी है। ग्रामीणो ने हाइवे पर आवागमन बंद कर दिया है। कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुचकर घटना की जांच पडताल कर स्थिति को संभालने मे जुटी हुई है। देहात कोतवाल सतेन्द्र कुमार सिह ने बताया कि मौके पर पुलिस पहुची है। घटना मे उचित कार्यवायी की जा रही है।

सुल्तानपुर भीम आर्मी की महिला जिलाध्यक्ष बनी केश कुमारी, समर्थको मे उत्साह

ब्यूरो सुलतानपुर। भीम आर्मी भारत एकता मिशन मे केशकुमारी जी को महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बनाया गया जैसे खबर समर्थकों को लगी तो अम्बेडकर के अनुयायी ने मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया, केश कुमारी ने समाज को कई वर्ष से जागरूक कर रही थी, केश कुमारी ने

बताया की जिस तरह से 2 वर्षो से समाज के लिए कार्य किया उसी तरह आगे भी करती रहूंगी, हम अम्बेडकर के अनुयायी हूँ, आज जो यह पद मुझे मिला है ये संविधान की देन है और मै अपना काम पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से करुँगी, जिसमें आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार जी, भीम आर्मी जिला अध्यक्ष एड. सुभाष गौतम जी, यूथ अध्यक्ष मुकेश कुमार नगवंसी जी, सेजल अम्बेडकर जी और बहुत सारे सम्मानित साथी मौजूद रहे, केशकुमारी जी ने सभी साथियों का आभार ब्यक्त किया।

संदिग्ध परिस्थिति में पाक्सो एक्ट के बंदी की जिला कारागार में मौत

ब्यूरो सुलतानपुर। जिला कारागार में संदिग्ध परिस्थितियों में पाक्सो एक्ट के बंदी की हुई मौत। बीते शाम अचेत स्थिति में सुल्तानपुर जिला जेल से मेडिकल कॉलेज लाया गया था बंदी, चिकित्सकों ने घोषित किया मृत। कादीपुर कोतवाली की राईबीगो निवासी राम मूरत उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र श्यामलाल के रूप में मृतक बंदी की पहचान। बीते 1 वर्ष से जेल में काट रहा था सजा। मृतक की पत्नी ने जहर देकर हत्या करने का लगाया इल्जाम। जेल अधीक्षक अरविंद प्रांजल बोले, सीने में दर्द की शिकायत पर भेजा गया था बंदी मेडिकल कॉलेज।

पुलिस की शातिर चोरों से मुठभेड़, गोली लगने से एक घायल दूसरा भागने में सफल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में रामनगर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। जबकि उसका साथी फरार हो गया। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए अपराधी ने कुछ दिन पहले रामनगर क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार शनिवार रात स्वाट, सर्विलांस व रामनगर के प्रभारी निरीक्षक की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान सुढ़ियामऊ से रामनगर रोड पर मनौरा गांव के पास एक बाइक से दो व्यक्ति एक गैस सिलिंडर लादकर आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया गया तो एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई ।

पुलिस ने लावारिस के रूप में दफना दिया शव, अब कब्र से खोदनी पड़ी लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में लावारिस के रूप में दफनाए गए युवक के शव को कब्र से खोदा गया। अब इसका डॉक्टरों के पैनल द्वारा दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसे लेकर वाल्मीकि समुदाय के लोगों में आक्रोश है। पुलिस दो युवकों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच कर रही है। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के कोटवासड़क व राजपुर गांव के बीच में 21 दिसंबर को सूखे नाले में युवक का शव मिला था। नाक व कान गायब था। वहीं चेहरे के एक हिस्से का मांस भी गायब था। रामसनेहीघाट पुलिस ने बताया था कि शव के पास मार्फीन की पुड़िया मिली थी। इससे युवक के नशेड़ी होने का अंदाजा लगाया था। शव को 72 घंटे तक पोस्टमार्टम हाउस में रखने के बाद 25 दिसंबर को शव को लावारिस मान कर अंतिम संस्कार कर दिया गया। पोस्टमार्टम के ही कर्मचारी ने शुक्रवार को बाहर एक पोस्टर चस्पा देखा। इसमें शहर के भितरी पीरबटावन निवासी संतोष कुमार वाल्मीकि नामक युवक का फोटो व उसके गुमशुदा होने की बात लिखी थी। कर्मचारी को याद आया कि दो दिन पहले जिस लावारिस शव का अंतिम संस्कार हुआ था, उसके हाथ में सौरभ गुदा था। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई तो कड़ियां जुड़ गई। क्योंकि भितरी पीरबटावन निवासी संतोष कुमार वाल्मीकि 16 दिसंबर से लापता था। कुछ ही देर में वाल्मीकि समुदाय के तमाम लोग कोतवाली पहुंच आक्रोश जताने लगे। इनका आरोप था कि पुलिस ने कार्रवाई की बजाय शव का लावारिस में अंतिम संस्कार करवा दिया। शुक्रवार देर शाम रामसनेहीघाट कोतवाली पहुंचे मृतक सौरभ के परिजनों ने कपड़ों से भी पहचान की। शनिवार को मृतक के मामा की तहरीर पर दो युवकों पर हत्या का केस दर्ज किया गया। देर शाम पुलिस ने शव को पुलिस ने शहर के ही श्मशामघाट में कब्र से शव को खोदवाया। शहर कोतवाल आलोक मणि त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों की तलाश कर जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

अफसर के दफ्तर में मरा सांप लेकर पहुंच गया युवक

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में खाली प्लॉटों में फेंके जा रहे कूड़े को हटवाने की शिकायत पर सुनवाई न होने से युवक खासा नाराज हो गया। उसकी नाराजगी इस कदर बढ़ गई कि वह बेलचा पर रखकर मरा सांप लेकर नगर निगम जोनल दफ्तर पहुंच गया। इससे दफ्तर में काम करने वाले सन्न रह गए। पीड़ित ने शिकायत का निस्तारण नहीं होने पर प्रदर्शन करने की बात कही। मामला नगर निगम जोन छह का है और सोशल मीडिया पर वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। वजीरबाग चरही निवासी असलम मुनीर शनिवार को जोनल दफ्तर में बेलचा पर मरा हुआ सांप रखकर ले गए। उन्होंने बताया कि जोनल अफसरों की लापरवाही से प्लॉटों में कूड़ा फेंका जा रहा है। दो वर्ष से लोग कूड़ा हटाने की शिकायतें कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। बीते दिनों अधिकारी आरसी यादव से फिर शिकायत की गई और बताया कि सफाई न होने से सांप निकलते हैं। इससे क्षेत्र में छोटे–छोटे बच्चों के लिए खतरा हुआ है। आरोप है कि पूर्व में अधिकारी आरसी यादव से सफाई के लिए कहा था तो उन्होंने बोला था कि मैं जंगल में रहता हूं तो सांप नहीं निकल रहे, आप शहर में हैं तो आपके यहां सांप निकलते हैं। इस पर वह मरा सांप फावड़े पर रखकर जोनल दफ्तर पहुंचे थे। अधिकारी को तलाशते रहे, लेकिन वे नहीं मिले। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद नगर निगम के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक की ओर से स्पष्टीकरण जारी किया गया है। इसमें बताया शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोप बेबुनियाद है। खाली प्लॉट में फेंक जा रहे कूड़े व उससे होने वाली बीमारियों को लेकर प्लॉट मालिक को अक्तूबर में पत्र लिखा गया था। सफाई नहीं करवाने पर कार्रवाई की बात भी कही गई थी।

तेज रफ्तार वाहन ने बुजुर्ग को कुचला सड़क पर बिखर गए लाश के चीथड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में रविवार को घर से टहलने निकले बुजुर्ग को तेज रफ्तार वाहन ने कुचल दिया। मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। वह शहर कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर–12 के निवासी ज्ञान प्रकाश जायसवाल (62) प्रतिदिन बाईपास की तरफ टहलने जाते थे। आज सुबह भी वह टहलने गए थे। कोहरा होने के कारण मार्ग में काफी धुंध थी। टहलते समय सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने बुजुर्ग को कुचल दिया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। एसएचसो बृजेश सिंह ने बताया कि बाईपास पर टहलने गए बुजुर्ग को वाहन ने टक्कर मारी है। इससे उनकी मृत्यु हो गई है।

बांग्लादेशी अवैध रूप से कर रहे कारोबार, हटाने गई नगर निगम की टीम से मारपीट

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार को अवैध रूप से ठेला लगाने वालों व नगर निगम टीम के बीच कहासुनी हो गई। कहासुनी मारपीट में बदल गई। ठेला वाले बांग्लादेशी बताए जा रहे हैं। मामला नगर निगम जोन–7 इंद्रा प्रियदर्शनी वार्ड का है। मारपीट की सूचना मिलने पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। महापौर ने मौके पर उपस्थित नगर निगम कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही मामले की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार करने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धारदार हथियार से रेता किसान का गला... हालत नाजुक, फसल की रखवाली कर रहा था

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शनिवार की रात फसल की रखवाली करने गए किसान का गला रेत दिया गया। मौके से मोबाइल और पैसा गायब मिला। रविवार की सुबह जानकारी हुई तो अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। घटना मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के दिवानगंज की है। यहां का निवासी किसान अरुण कुमार (45) शनिवार की रात खेत पर फसल की रखवाली करने गया था। सुबह भैंस का दूध निकालने समय पर घर नहीं पहुंचा तो पत्नी सुमन ने फोन किया। उसका फोन बंद आ रहा था। फोन बंद होने पर वह खेत पहुंची। वहां अरुण बिस्तर लहूलुहान पड़ा मिला। गले के आगे का हिस्सा कटा हुआ था। यह देख उसकी चीख निकल गई। चीख पुकार सुनकर गांव के लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस ने उसे नाजुक हालत में ट्रॉमा टू पीजीआई पहुंचाया। जहां उस लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटे एवं एक बेटी है। परिवार के लोगों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि किसान की हालत नाजुक है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

एक गलती से उजाड़ लिया खुद का सुहाग

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बख्शी का तालाब क्षेत्र के मझोरिया गांव में शनिवार सुबह उमेश यादव (35) का शव गांव के पास आम के बाग में लटका मिला। उन्होंने फंदा लगाया था। उनके पिता लल्ला यादव ने बहू मौसम यादव और गांव के विशाल यादव के खिलाफ बेटे को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उनके बेटे की हत्या कर शव को लटकाया गया है। पुलिस के मुताबिक शिकायत मिली है। आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। पिता लल्ला यादव ने बताया कि उनका बेटा स्कूल वैन चालक था। 23 दिसंबर को बहू गांव के विशाल यादव के साथ चंद्रिका देवी मंदिर गई थी। इसकी जानकारी होने पर बेटे ने विरोध किया था। इस बात पर बहू नाराज थी। इसको लेकर वह उमेश को लगातार प्रताड़ित कर रही थी। विशाल भी उमेश को गांव में परेशान करता था। परिजनों का कहना है कि उमेश ने मामले की शिकायत बीकेटी पुलिस से भी की थी। पुलिस ने विशाल को चेतावनी भी दी थी। हालांकि, कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आजिज आकर शुक्रवार रात में उमेश घर से निकल गए। शनिवार सुबह उनका शव लटका मिला। उन्होंने गांव के पास वसीर के आम के बाग में रस्सी के सहारे फंदा लगाया था। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उमेश की छह साल पहले शादी हुई थी। उनका तीन साल का बेटा है।

आठ ट्रेनें होंगी निरस्त, कई ट्रेनों का बदलेगा रास्ता

लखनऊ, (संवाददाता)। जिले से होकर गुजरने वाली आठ ट्रेनों को रद्द किया जाएगा। कई ट्रेनें मार्ग परिवर्तन होने के कारण नहीं आएंगी। इससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। फाफामऊ–जंघई रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। दोहरीकरण के लिए फाफामऊ, थरवई, सरायचांदी, फूलपुर और उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशनों पर नॉन–इंटरलॉकिंग कार्य शुरू करा दिया गया है, जो चार जनवरी तक चलेगा। जिले के ऊंचाहार, डलमऊ, लालगंज के रास्ते दौड़ने वाली चार ट्रेनें तीन व चार जनवरी को निरस्त रहेंगी। इनमें प्रयागराज–कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस, कानपुर–प्रयागराज इंटरसिटी एक्सप्रेस, कानपुर अनवरंज–प्रयागराज पैसेंजर और प्रयागराज–कानपुर अनवरगंज पैसेंजर शामिल हैं। जिले के ऊंचाहार, रायबरेली, बछरावां के रास्ते दौड़ने वाली चार ट्रेनें भी रद्द होंगी। इनमें प्रयागराज–लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस एवं लखनऊ–प्रयागराज इंटरसिटी एक्सप्रेस 3 व 4 जनवरी को, प्रयागराज–लखनऊ गंगा गोमती एक्सप्रेस 3 जनवरी को और लखनऊ–प्रयागराज गंगा गोमती एक्सप्रेस 2 जनवरी को निरस्त रहेगी। वंदेभारत समेत कई ट्रेनें बीच रास्ते से लौटाई जाएंगी। गोरखपुर से प्रयागराज जाने वाली वंदेभारत तीन जनवरी को लखनऊ तक ही चलेगी और उसी दिन शाम को वहीं से लौट जाएगी। लखनऊ से प्रयागराज के बीच यह ट्रेन नहीं चलेगी। सहारनपुर से प्रयागराज जाने वाली नौचंदी एक्सप्रेस दो व तीन जनवरी को रायबरेली तक चलेगी, जबकि प्रयागराज से सहारनपुर जाने वाली नौचंदी एक्सप्रेस तीन व चार जनवरी को रायबरेली से चलाई जाएगी। यह ट्रेन भी रायबरेली से प्रयागराज के बीच नहीं चलेगी। लखनऊ और प्रयागराज के बीच रोजाना दौड़ने वाली पैसेंजर ट्रेन 28 दिसंबर से चार जनवरी तक सिर्फ प्रतापगढ़ तक ही चलेगी। यह ट्रेन रायबरेली तो आएगी, लेकिन प्रतापगढ़ से प्रयागराज के बीच नहीं चलाई जाएगी। कई ट्रेनों को दूसरे रास्तों से चलाने के कारण भी यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। चंडीगढ़–प्रयागराज ऊंचाहार एक्सप्रेस दो एवं तीन जनवरी को और प्रयागराज–चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस तीन एवं चार को जिले से होकर नहीं गुजरेगी। रूट डायवर्जन के चलते कानपुर से ही।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।